उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ

माह जनवरी, 2021

मा0 उच्च शिक्ष मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन तथा कुलपति आवास का भूमि पूजन

दिनांक 18 जनवरी, 2021 को माननीय उच्च शिक्षा, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 धन सिंह रावत ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कुलपति की उपस्थिति में सभी विद्याशाखा के निदेशकों, अधिकारियों एवं अनुभाग प्रभारियों की बैठक ली तथा विश्वविद्यालय के सभी अनुभागों की समीक्षा की। बैठक में उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ0 बी0एस0 बिष्ट, प्रो0 आर0सी0 मिश्र, प्रो0 एच0पी0 शुक्ल, प्रो0 गिरिजा पाण्डे, प्रो0 दुर्गेश पंत, उपकुलसचिव/प्रभारी कुलसचिव श्री विमल कुमार मिश्र, वित्त नियंत्रक श्रीमती रूचिता तिवारी आदि उपस्थित थे।

कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी ने उच्च शिक्षा मंत्री को पुष्प गुच्छ व सौल भेंट कर उनका स्वागत व सम्मान किया और प्रभारी कुलसचिव श्री विमल कुमार मिश्र द्वारा विश्वविद्यालय की वस्तु स्थिति से उन्हें अवगत कराया। समीक्षा बैठक से पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री जी ने विश्वविद्यालय में निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया।

मा0 मंत्री जी द्वारा कार्यदायी संस्था मण्डी परिषद क अभियंताओं को निर्माणाधीन कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये। कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी ने विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक और अन्य उपलब्धियों से मा0 मंत्री जी को अवगत कराया।

बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री ने निम्न बिन्दुओं पर दिशा निर्देश दिये–

- विश्वविद्यालय परीक्षा कार्य कम से कम दिनों में पूर्ण कराने का प्रयास करें।
- विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोह में कम से कम धन खर्च हो।
- विश्वविद्यालय के शैक्षिक व शिक्षणैत्तर के रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाये।
- विश्वविद्यालय अपना कॉर्पस फण्ड बढ़ाने पर भी जोर दे।
- विश्वविद्यालय देश के 25 A Grade तथा विश्व के 05 ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों से एम0ओ0यू0 कर शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा दें।
- विश्वविद्यालय अपनी गृह पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन करें तथा उसमें समसामयिक लेख भी प्रकाशित करें और समय–समय पर अलुम्नाई मीट का आयोजन भी कराये।

बैठक में मा0 मंत्री विश्वविद्यालय के आठ क्षेत्रीय कर्यालयों को संचालित करने के लिए भूमि व भवन आबंटन का आश्वासन दिया।

दिनांक 19 जनवरी, 2021 को मा0 उच्च शिक्षा मंत्री जी द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति आवास का भूमि पूजन किया गया। इसके अतिरिक भूमि पूजन में माननीय विधायक, लालकुआं विधानसभा, श्री नवीन दुम्का व अन्य गणमान्य उपस्थित थे। ततपश्चात् विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणैत्तर कर्मचारियों की बैठक ली।

कुलपति सचिवालय एवं कुलसचिव कार्यालय का लोकार्पण

दिनांक 14 जनवरी, 2021 को विश्वविद्यालय के नवनिर्मित कुलपति सचिवालय एवं कुलसचिव कार्यालय का लोकार्पण मा0 कुलपति प्रोफेसर ओ0पी0एस0 नेगी के कर कमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, प्रोफसर गिरिजा पाण्डे, उप कुलसचिव विमल कुमार मिश्र एवं सभी विभगाध्यक्ष, अधिकारीगण व कर्मचारी मौजूद थे।

विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक के विज्ञापित पदों के साक्षात्कार

विश्वविद्यालय में प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक के विज्ञापित पदों पर प्राप्त आवेदन पत्रों की स्क्रीनिंग के उपरांत वाणिज्य, गणित, लोक प्रशासन, हिन्दी, विधि, समाजशास्त्र, गृह विज्ञान एवं संगीत विषय के अर्ह अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया गया। दिनांक 23/01/2021 से 30/01/2021 तक उक्त शैक्षिक पदों के साक्षात्कार के साथ–साथ होटल प्रबन्ध एवं आतिथ्य, रसायन विज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान, ज्योतिष एवं इतिहास विषयों कैरियर अभिवर्धन योजना के अधीन वरिष्ठ वेतनमान समीक्षा समिति की बैठक भी संपन्न कराई गई।

'दिव्यांगजनों के उत्तम मानसिक स्वास्थ्य हेतु उनका पुनर्वास एवं उपचार' विषय पर द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

कोरोना काल में दिव्यांग जनों के उत्तम मानसिक स्वास्थ्य हेतु उनका पुनर्वास एवं उपचार विषय पर दो राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक– को किया गया। इस वेबीनार का आयोजन विशिष्ट शिक्षा विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं मनोविज्ञान विभाग एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी के द्वारा भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। वेबीनार का उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. एच पी शुक्ला, निदेशक, शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा एवं मुख्य अतिथि डॉ. बी आर पंत प्राचार्य एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अपने उद्बोधन में प्रोफेसर शुक्ला ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य को वर्तमान परिस्थिति में महत्वपूर्ण बताया।

मुख्य वक्ता के रूप में नई दिल्ली के ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंस इंस्टिट्यूट की नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ रुचि वर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं एवं उनके उपचार के विषय में अपना व्याख्यान दिया। विशेषज्ञ डॉ कल्पना लखेड़ा द्वारा मानसिक स्वास्थ्य को उत्तम बनाने संबंधित विधियों का उल्लेख किया। भारतीय काउंसलिंग परिषद के अध्यक्ष डॉ आशुतोष श्रीवास्तव संवेगात्मक रूप से स्वस्थ रहने के उपाय बताएं।

भारतीय पुनर्वास परिषद के तत्वाधान में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं एमबीपीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के अंतर्गत दो दिवसीय वेबीनार के दूसरे दिन के उद्घाटन सत्र में उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ बीएस बिष्ट द्वारा उद्बोधन दिया गया उन्होंने इस कार्यक्रम को दिव्यांगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित बहुत लाभप्रद बताया व्याख्यानों के क्रम में डॉक्टर निखिल दास ने डिप्रेशन के कारण और उपचार पर प्रकाश डाला डॉ सतीश चंद्र द्वारा संवेगात्मक बुद्धि के विभिन्न पक्षों पर बात की गई डॉक्टर सीता ने स्ट्रेस और उसकी उपचार विधियों को दिव्यांगों के संदर्भ में बताया डॉक्टर राजेश भट्ट ने विशेष अतिथि के रुप में माइंडफूलनेस टेक्निक के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

इन सभी मुद्दों पर सरकार को ध्यान देना होगा तभी मानसिक स्वास्थ संबंधित कार्यक्रमों की सार्थकता है और हम युवा वर्ग को और साथ ही मुख्यधारा से वंचित दिव्यांगों को सही दिशा देने में सक्षम हो पाएंगे और कहीं ना कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार की ओर कदम बढ़ेंगे आयोजक सचिव डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने दो दिवसीय वेबीनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की समापन सत्र में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ विजुअल डिसेबिलिटी के डायरेक्टर डॉ हिमांशु दास ने कोरोना पीरियड में दिव्यांगों हेतु आई मानसिक स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों को विस्तृत रूप से बताया और उनके निदान के लिए स्पेशल एजुकेटर और मनोवैज्ञानिकों से मिलकर काम करने को कहा समापन सत्र में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ पी एस नेगी द्वारा सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया गया एवं इसी तरीके के कार्यक्रमों को लगातार करवाने और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने के लिए कहा गया कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर एसपी शुक्ला द्वारा सभी स्पीकर्स का धन्यवाद ज्ञापित किया गया

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा सितम्बर–2020 से संबिधत जनवरी 2021 में अन्तिम रूप से परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये गये है।
- विश्वविद्यालय की आगामी शीतकालीन परीक्षा (प्रस्तावित माह फरवरी –2021) हेतु बैक व सुधार परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन किये जाने हेतु दिनांक 31 जनवरी 2021 तक तिथि विस्तारित की गई थी । इस हेतु तद्दिनांक तक मुख्य परीक्षा के लिए 21306 बैक परीक्षा 9608 सुधार परीक्षा 450 (कुल–31364) परीक्षार्थियों द्वारा आवेदन किया गया है।
- सितम्बर 2020 की परीक्षा से संबंधित स्कूटनी परीक्षा के परिणाम दिनांक 19 जनवरी 2021 को घोषित किये गये।
- सितम्बर 2020 की परीक्षा से संबंधित प्रश्नपत्र निर्माण, उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के प्राश्निकों को भुगतान हेतु पत्रावली वित्त अनुभाग को प्रेषित की गई।
- जनवरी माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित लगभग 470 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र एवं अन्य प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित किये गये।
- जनवरी माह में पत्राचार, मेल व टेलिफोन के माध्यम से प्राप्त परीक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान, सत्यापन/समान्य पत्राचार, आर0टी0आई0/नोटिस/शिकायती पत्र, सी0एम0 पोर्टल एवं अन्य महत्वपूर्ण पत्रावलियों पर कार्य किया गया/जा रहा है।

शोध एवं नवाचार

- पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा–2020 की साक्षात्कार परीक्षा जिन विषयों में पूर्णतः सम्पन्न करा ली गयी है, का विषयवार परीक्षा परिणाम पीएच0डी0 अभ्यार्थियों की चयन सूची दिनांक 30 जनवरी 2021 को विश्वविद्यालय वेबसाइड में अपलोड कर दी गयी है। जिसका विवरण निम्नवत् है।

Subject	Seets Alloted	Name	Categary	Roll no.
Sociology	GEN-01	Gourav Sati	GEN	11070001
	SC-01	Shailija	SC	16070015
Journalism	GEN - 02+01(W)	Sakshi Pundir	GEN	11180014
		Ritika Bora	GEN	16180004
		Disha Bisht	GEN (W)	11180008
	SC-02			
	ST-01			
	GEN-01	Surendra Singh	GEN	16190001

Environmental Studies	OBC-02	MOHD. ARIF ANSARI	OBC	16190003
Joytish	GEN-01	BASUDEV PRASAD	GEN	11040001
	ST-01			
Social Work	GEN-02	Utkarsh Joshi	GEN	16090022
		Pooja Hairiya	GEN	16090016
	SC-01			
	OBC-01			
Chemistry	GEN - 02+01(W)	Rakesh Kumar Uppadhyay	GEN	16130006
		Himani Tiwari	GEN	11130002
		Beena Bora	GEN (W)	16130001
	SC-01			
Yoga	SC-01	Ranjeet Singh	SC	16170001
Commerce	GEN-01	Divya Shukla	GEN	11110013
	SC-02	Kiran Kumar	SC	11110009
	OBC-01			
Tourism	GEN-01	Ankur Mittal	GEN	11150001
	SC-01	Virendra Kumar Arya	SC	16150007
Political Science	GEN-01	Amit Butola	GEN	11060006
	SC-02	Pramod Kumar Chanyal	SC	16060006

- निदेशक अकादमिक की अध्यक्षता में दिनांक 19 जनवरी 2021 को 'शोध निर्देशकों' को मान्यता देने के सम्बन्ध में निदेशकों की समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समिति द्वारा डॉ0 शालिनी चौधरी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी को शोध निर्देशन हेतु अर्ह पाते हुए, शोध निर्देशन हेतु अधिकृत किये जाने की अनुशंसा की गई।
- निदेशक अकादमिक की अध्यक्षता में दिनांक 19 जनवरी 2021 को अन्तर्विषयी शोध (Interdisciplinary Research) को बढ़ावा दिये जाने हेतु गठित समिति की बैठक का आयोजन किया गया। संयोजक निदेशक, शोध एवं नवाचार द्वारा अवगत कराया गया कि शोध निदेशालय को होटल एवम् आतिथ्य प्रबन्धन, कृषि एवम् प्रबंध अध्ययन विभाग से अन्तर्विषयी, शोध निर्देशन हेतु 'निर्देशक' के रूप में मान्यता दिये जाने हेतु आवेदन प्राप्त हुये हैं।
  उपर्युक्त पर समिति द्वारा विस्तृत चर्चा करते हुये निम्नवत् अनुशंसा की गई–
- अन्तर्विषयी शोध को बढ़ावा दिया जाना सराहनीय है। ऐसे विषय जहॉ ''शोध कार्य/शीर्षक'' दो भिन्न विषयों से जुड़े हों, और निर्देशन हेतु सम्बन्धित विषयों की अनिवार्यता अनुभव की जा रही हो, अन्तर्विषयी अध्ययन की श्रेणी में लिया जा सकता है, बशर्ते ऐसे विषय allied और relevant subject की श्रेणी में आते हों तथा सम्बन्धित विषय की RAC द्वारा ऐसे विषयों की सूची पूर्व से ही अनुमोदित की गई हो।

- उपरोक्त स्थितियों में ''शोध निर्देशन'' हेतु अन्य विषयों के सहायक प्राध्यापक/सह प्राध्यापक/प्राध्यापक को अन्तर्विषयी शोध–निर्देशन के लिये सह–निर्देशक के रूप में अधिकृत किये जाने की अनुशंसा की जाती है। यद्यपि ऐसे शोध कार्य हेतु आवेदक को उपाधि उसी विषय में प्रदान की जायेगी, जिस विषय में उसने 'स्नातकोत्तर उपाधि' धारण की हो और उसका शोध पंजीकरण उक्त विभाग में हो।

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2020–21 तथा शीतकालीन सत्र 2020 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Current Session (July 2020)

Total Students	73282
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	11735
12 Roorkee	3925
14 Pauri	1355
15 Uttar Kashi	1857
16 Haldwani	8702
17 Ranikhet	2461
18 Pithoragarh	1586
19 Bageshwar	1158
Books Packed/Dispatched For	32779

Book Distribution Status Previous Session (JANUARY-2020)

Total Students	9697
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	3143
12 Roorkee	1187
14 Pauri	492
15 Uttar Kashi	446
16 Haldwani	2617
17 Ranikhet	920
18 Pithoragarh	398
19 Bageshwar	233
Books Packed/Dispatched For	9436

विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है। (संलग्नक–क)

संलग्नक–क

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने यूओयू और डेयरी निदेशालय में दुग्ध संघ विभाग की समीक्षा बैठक की

दुग्ध संघ-यूओयू में नई नौकरियां मिलेंगी

समीक्षा बैठक

हल्द्वानी | मुख्य संवाददाता

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. धन सिंह रावत ने सोमवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि विवि में रिक्त पड़े पदों को जल्द भरा जाए। उन्होंने कहा कि विवि में खाली पदों के कारण जहां छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होती है, वहीं यूजीसी व केन्द्र से मिलने वाली ग्रांट का भी नुकसान होता है।

यूओयू सभागार में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रावत ने विवि के निर्माण कार्यों, मानव संसाधन पूर्ति, अकादमिक गतिविधियों, ऑनलाइन शिक्षा, ग्रीन कैम्पस व विवि में रिक्त पड़े पदों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में जितने भी खाली पड़े पद हैं, उन्हें जल्दी भरा जाए, जिससे विवि के समस्त शैक्षिक व प्रशासनिक कार्य सुचारू ढंग से संचालित हो सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय के चयन निर्माण विभाग को विवि के निर्माणाधीन समस्त कार्यों को समय से पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा विश्वविद्यालय को अपना कार्पस फंड बढ़ाने पर भी जोर देना चाहिए। भारत सरकार के कई शोध व अन्य वेलफेयर संस्थान हैं, जो शोध एवं नवाचार और प्रचार प्रसार के लिए अनुदान देते हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों को इसके लिए प्रोजेक्ट जमा करने चाहिए। बैठक से पहले विवि के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक और अन्य उपलब्धियों से मंत्री को रूबरू करवाया। उन्होंने परिसर में हो रहे विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. बीएस बिष्ट, प्रो.एचके शुक्ल, प्रो.आरसी मिश्रा, प्रो. गिरजा पांडे, प्रो. दुर्गेश पंत, प्रो. पीडी पंत, उप कुलसचिव विमल कुमार मिश्रा आदि मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री धन सिंह रावत ने सोमवार को उत्तराखंड मुक्त विवि का निरीक्षण किया। • हिन्दुस्तान

क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए मिलेगी भूमि

मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी 8 क्षेत्रीय कार्यालयों को संचालित करने को जल्द भूमि व भवन आवंटन की व्यवस्था की जाएगी। कहा कि विवि प्रबंधन विश्वविद्यालय परीक्षा कार्य कम से कम दिनों में पूर्ण करे। उसके लिए जो भी सहयोग सरकार को करना पड़े, वह करेगी।

विदेश के विश्वविद्यालयों से कराएं एमओयू

डॉ.रावत ने कहा कि विश्वविद्यालय को देश के 20 और विश्व के 5 ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों से एमओयू करके शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ाना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर एक प्रोफेसर को जिम्मेदारी दी जाए। उन्होंने कहा कि विवि को अपनी गृह पत्रिका का निरंतर प्रकाशन करना चाहिए।

अमर उजाला

उच्चशिक्षा राज्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने किया एलान

दिव्यांग कर्मचारी निर्मला देवी से बात करते उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत।

यूओयू में रिक्त पड़े पदों को जल्द भरने के निर्देश

हल्द्वानी। उच्चशिक्षा मंत्री ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के बाद कुलपति कार्यालय में समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय में जितने भी पद रिक्त पड़े हैं, उन्हें जल्द भरा जाए जिससे विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षिक एवं प्रशासनिक कार्य सुचारु ढंग से संचालित हो सके। मंत्री ने विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों की कार्यदायी संस्था मंडी परिषद के अभियंताओं को निर्माणाधीन समस्त कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक और अन्य उपलब्धियों से मंत्री को रूबरू करवाया। बैठक में उच्चशिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. बीएस बिष्ट, प्रो. आरसी मिश्र, प्रो. एचके शुक्ल, प्रो. गिरजा पांडे, प्रो. दुर्गेश पंत, प्रो. पीडी पंत, उप कुलसचिव विमल कुमार मिश्रा, वित्त नियंत्रक रुचिता तिवारी आदि मौजूद रहे।

ये भी कहा

- मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय परीक्षा कार्य कम से कम दिनों में पूर्ण करें, उसके लिए जो भी सहयोग करना पड़े, किया जाएगा।
- निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय का जो भी दीक्षांत समारोह हो, उस पर कम से कम धन खर्च करें।
- विश्वविद्यालय के सभी आठ क्षेत्रीय कार्यालयों को संचालित करने के लिए भूमि व भवन आवंटन का आश्वासन दिया।

यूओयू परिसर में ये होंगे निर्माण कार्य

- कुलपति निवास मय साज सज्जा 87.48 लाख
- टाइप टू श्रेणी के आवास डेढ़ करोड़
- साइंस ब्लाक का निर्माण 6 करोड़
- तीन मंजिल अतिथि गृह 4 करोड़
- बहुउद्देश्यीय भवन का निर्माण 3 करोड़
- द्वितीय श्रेणी के आवास निर्माण 1.28 करोड़

उत्तर उजाला

मुक्त विवि में शीघ्र भरे जायेंगे रिक्त पद

निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश

क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए भूमि और भवन आवंटन का आश्वासन

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डा. धन सिंह रावत ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में समीक्षा बैठक लेते हुए कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने विवि में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा भी लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों, मानव संसाधन पूर्ति, अकादमिक गतिविधियों, ऑनलाईन शिक्षा, ग्रीन कैम्पस तथा रिक्त पड़े पदों को तत्काल भरने की बात कही।

डा. रावत ने कहा कि विश्वविद्यालय में जितने भी खाली पड़े पद हैं, उन्हें जल्द भरा जाए, जिससे विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं प्रशासनिक कार्य सुचारू ढंग से संचालित हो सकें। उन्होंने विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी आठ क्षेत्रीय कार्यालयों को संचालित करने के लिए भूमि व भवन आवंटन का आश्वासन दिया और कहा कि विश्वविद्यालय परीक्षा कार्य कम से कम दिनों में पूर्ण करें। उसके लिए जो भी सहयोग सरकार को करना पड़े वह करेगी। विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में कम से कम पैसा खर्च करने का प्रयास करे। विश्वविद्यालय को अपना कार्पस फंड बढ़ाने पर भी जोर देना चाहिए। भारत सरकार के कई शोध एवं अन्य वेलफेयर संस्थान हैं जो शोध एवं नवाचार और प्रचार प्रसार के लिए अनुदान देते हैं, विश्वविद्यालय के शिक्षकों को (शेष पृष्ठ 6 पर)

विवि में निर्माण कार्यों का जायजा लेते डा. धन सिंह रावत

मुक्त विवि ...

इसके लिए प्रोजेक्ट जमा करने चाहिये। डॉ. रावत ने कहा कि विश्वविद्यालय को देश के 20 तथा विश्व के 5 ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालयों से एमओयू कर शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ाना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर एक प्रोफेसर को जिम्मेदारी दी जाए। विश्वविद्यालय को ऊनी गृह पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन कर उसमें समसामयिक लेख भी प्रकाशित करने चाहिए और समय-समय पर एलुमनाई मीट भी करानी चाहिए। बैठक से पूर्व कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक और अन्य उपलब्धियों से उच्च शिक्षा मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एक ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसने लॉकडाउन में भी अपनी समस्त शैक्षिक गतिविधियों को बनाये रखा। डॉ. रावत ने विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों से सुझाव लिए और उन्हें विश्वविद्यालय को ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. बीएस बिष्ट समेत विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, अधिकारी और अनुभाग अधिकारी मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

यूओयू में अब बगैर आइकार्ड के अफसरों-कर्मचारियों की नो एंट्री

- सुबह 10:30 बजे के बाद मुख्यालय परिसर में नहीं मिलेगा किसी को दाखिला
- बाहरी लोगों की आमद बढ़ने को बताया जा रहा इस सख्ती की मुख्य वजह

जासं, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में बाहरी लोगों की आमद बढ़ गई है। इस पर अब नकेल कसने के लिए कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने अफसरों-कर्मचारियों के लिए आइकार्ड अनिवार्य कर दिया है। बिना आइकार्ड के मुख्यालय में एंट्री नहीं दी जाएगी।

विवि में कुलपति ने नया नियम लागू किया है ● जागरण आर्काइव

कुलपति की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। कहा है कि विवि मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी अपनी आफिस आइडी पहनकर आएंगे। इसकी मुख्य द्वार पर जांच होगी। बाहरी लोगों को पूर्व की तरह रजिस्टर में आने का कारण नाम, मोबाइल नंबर और पता दर्ज कराना होगा। बिना कार्य के किसी को विवि में आने पर पाबंदी रहेगी। सभी अफसर-कर्मचारियों को रोजाना सुबह 10.30 बजे अपने दफ्तर पहुंचना होगा। इसे बाद प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वहीं, शाम को 4:45 बजे के बाद ही घर जाना होगा। इस अवधि के बीच में कोई भी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। केवल उन्हीं को इस बीच कहीं आने-जाने की अनुमति मिलेगी जो वित्त या मार्केटिंग संबंधी कार्यों से जुड़े हुए हैं।

> व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए थोड़ा बदलाव की जरूरत थी। सभी को समय से आफिस पहुंचने व आइकार्ड पहनने को लेकर लिखित आदेश जारी कर दिया गया है। **-प्रो. ओपीएस नेगी, कुलपति उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय**

अमर उजाला

यूओयू: देहरादून और हल्द्वानी क्षेत्र में रिकॉर्ड दाखिले

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में इस बार रिकॉर्ड दाखिले हुए हैं। देहरादून क्षेत्र में 22,352 और हल्द्वानी क्षेत्र में 19,267 छात्र-छात्राओं ने दाखिला लिया है। विश्वविद्यालय के प्रदेश में सभी आठ क्षेत्रीय कार्यालयों के अंतर्गत 120 अध्ययन केंद्रों पर 74,456 विद्यार्थियों के दाखिले हुए हैं। गत वर्ष के मुकाबले छह हजार से अधिक छात्र संख्या में इजाफा हुआ है।

प्रदेश के आठ क्षेत्रीय कार्यालयों से जुड़े 120 अध्ययन केंद्रों पर 74,456 छात्रों ने लिया दाखिला

दाखिले की स्थिति

देहरादून	22,352
हल्द्वानी	19,267
रुड़की	8687
रानीखेत	7842
उत्तरकाशी	5596
पौड़ी	4413
पिथौरागढ़	3550
बागेश्वर	2749

नवंबर तक अध्ययन केंद्रों पर 60 हजार विद्यार्थियों के दाखिले हुए थे। यह संख्या दाखिले बंद होने की तिथि तक 74 हजार का आंकड़ा पार कर गई। मुक्त विवि के प्रवेश प्रभारी प्रो. मदन मोहन जोशी ने बताया कि प्रवेश ले चुके छात्र-छात्राओं को एसएमएस से जानकारी दी जाएगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

> विश्वविद्यालय का यही प्रयास है कि प्रदेश के दूरस्थ स्थानों तक उच्चशिक्षा से वंचित लोगों को उच्चशिक्षा मुहैया कराई जा सके। दूसरा प्रयास गुणवत्तापरक शिक्षा उपलबध कराना है।
>
> **-प्रो. ओपीएस नेगी, कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय**

अमर उजाला

दिव्यांगों के लिए रोजगार परक पाठ्यक्रम चलाए जाएं

हल्द्वानी। भारती पुनर्वास परिषद की ओर से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं एमबीपीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से आयोजित वेबिनार में दिव्यांगों के लिए रोजगार परक पाठ्यक्रम चलाए जाने पर जोर दिया। उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. बीएस बिष्ट इसे दिव्यांगों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद बताया। डॉ. निखिल दास ने डिप्रेशन के कारण और उपचार पर प्रकाश डाला। डॉ. सतीश चंद्र ने संवेगात्मक बुद्धि के विभिन्न पक्षों पर बात की। डॉ. सीता, डॉ. राजेश भट्ट, डॉ. रश्मि पंत, डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल, डॉ. हिमांशु दास, प्रो. एसपी शुक्ला ने भी अपनी बात रखी। कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कार्यक्रम की सराहना की। (ब्यूरो)

हिन्दुस्तान
तस्वीरों को चाहिए नया नजरिया

यूओयू में आज समीक्षा करेंगे उच्चशिक्षा मंत्री

हल्द्वानी। उच्चशिक्षा एवं सहकारिता राज्यमंत्री डॉ. धन सिंह रावत सोमवार से दो दिनी दौरे पर नैनीताल जिले में रहेंगे। सोमवार सुबह 10 बजे डेयरी निदेशालय और फिर 11:30 बजे उत्तराखंड मुक्त विवि में कार्यों की समीक्षा करेंगे। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उत्तराखंड मुक्त विवि में कुलपति आवास, कर्मचारी आवास आदि कामों का भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद वे नैनीताल रवाना होंगे।

दैनिक जागरण

युवा आयोग में मनोविज्ञानी को बनाया जाए सदस्य

जासं, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) और एमबीपीजी कालेज की ओर से दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें मनोविज्ञानियों ने जहां दिव्यांगों के मानसिक स्वास्थ्य पर मंथन किया, वहीं सरकार को सुझाव भी दिए कि युवा आयोग में मनोविज्ञानी को भी सदस्य बनाया जाए। रविवार को वेबिनार में उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डा. बीएस बिष्ट ने इस तरह के कार्यक्रमों को दिव्यांगों के मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से महत्वूपर्ण बताया। यूओयू के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी, आयोजक सचिव डा. रश्मि पंत डा. सिद्धार्थ पोखरियाल, डा. हिमांशु दास, प्रो. एसपी शुक्ला ने भी विचार रखे। वरिष्ठ मनोविज्ञानी डा. निखिल दास ने दिव्यांगों के तनाव के कारण और उपचार पर प्रकाश डाला।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

यूओयू में बगैर आईडी कार्ड नो एंट्री

सख्ती

हल्द्वानी | हमारे संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने प्रशासनिक व्यवस्था सुधारने के लिए कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने सख्त रुख अपनाया है। अब विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, अधिकारी और स्टाफ को बगैर आईडी कार्ड परिसर में प्रवेश नहीं मिलेगा। सुबह 10:30 बजे तक हर हाल में ड्यूटी पर पहुंचना होगा। इसके बाद आने वालों की हाजिरी नहीं लगेगी और उन्हें गेट पर ही रोक लिया जाएगा।

कुलपति प्रो. नेगी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। सोमवार यानी आज से इसका सख्ती से पालन होगा। विश्वविद्यालय में सुबह 10:30 बजे तक पहुंचने के साथ घर वापसी के लिए मनमानी नहीं चलेगी। शाम वापसी के समय दस्तखत के लिए 4:45 बजे ही रजिस्टर निकाला जाएगा। हालांकि, वित्त आदि अनुभागों के कर्मचारी, जिनका काम बाहर होता है वे आ जा सकेंगे। प्रोफेसर, स्टाफ भी जरूरी काम होने पर जा सकेंगे, लेकिन इसकी सूचना देनी होगी। जानकारी के मुताबिक यूओयू में कई लोगों द्वारा काम को लेकर मनमानी करने से जुड़ी शिकायतें कुलपति सचिवालय को मिली थी। विवि द्वारा परिचय पत्र जारी करने के बावजूद कुछ ही लोग उसे टांग कर आते थे।

निर्णय

- उत्तराखंड मुक्त विवि में वक्त पर न पहुंचने वाले होंगे प्रभावित
- सोमवार से कुलपति के आदेश सख्ती से लागू किए जाएंगे

10:30 बजे तक सुबह हर हाल में विवि पहुंचना होगा

04:45 बजे शाम को रजिस्टर में करने होंगे दस्तखत

> विवि के प्रशासनिक और शिक्षण से जुड़े काम अच्छी तरह संचालित हों, इसलिए आदेश जारी किए हैं। सुबह 10:30 बजे तक विवि न आने वाले को प्रशासनिक भवन के गेट पर रोकने के आदेश दिए हैं।
>
> – **प्रो. ओपीएस नेगी**, कुलपति, यूओयू

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

युवा आयोग में मनोवैज्ञानिक भी शामिल किए जाएं

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज, यूओयू और भारतीय पुनर्वास परिषद का दो दिनी वेबिनार रविवार को सम्पन्न हो गया। उच्चशिक्षा उन्नयन समिति उपाध्यक्ष डॉ. बीएस बिष्ट ने दिव्यांगों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित इस संगोष्ठी को काफी लाभकारी बताया। आयोजन सचिव डॉ. रश्मि पंत ने कहा कि प्रदेश में युवा आयोग बनाने की तैयारी है। कहा इसमें एक सदस्य मनोविज्ञान क्षेत्र से होना चाहिए। डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने वेबिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सत्र को यूओयू के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने संबोधित किया।

03 हिन्दुस्तान
हल्द्वानी • सोमवार • 11 जनवरी 2021

16° अधिकतम | 05° न्यूनतम
नैनीताल
सूर्योदयः 07:07
सूर्यास्तः 05:32

उत्तराखंड में पहली बार यूओयू कराएगा डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स

हिन्दुस्तान एक्सक्लूसिव

हल्द्वानी | **सुमित जोशी**

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) में ऑनलाइन मोड पर डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स कराया जाएगा। इसके लिए वीडियो लेक्चर रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। 4 क्रेडिट वाले कोर्स की समय सीमा 12 हफ्ते यानी तीन महीने होगी। यह कोर्स पूरी तरह से निःशुल्क होगा।

03 माह यानी 12 हफ्ते होगी 4 क्रेडिट वाले इस कोर्स की समय सीमा

निशुल्क शिक्षा

- यूओयू ऑनलाइन मोड पर इस पाठ्यक्रम को चलाएगा
- इसी साल अप्रैल से कोर्स शुरू करवाने की तैयारी

कोर्स के लिए शैक्षिक योग्यता

डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स करने के लिए आईटी या फॉरेंसिक साइंस का विद्यार्थी होने की जरूरत नहीं। इसे स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर चुके या पढ़ाई कर रहे छात्र कर सकते हैं। ऑनलाइन होने से इस कोर्स में पंजीकरण करने के बाद छात्र मोबाइल या लैपटॉप पर आसानी से कहीं भी पढ़ाई कर सकते हैं।

राज्य का पहला विवि होगा

डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स अभी देश के 10 चुनिंदा विवि में ही चल रहा है। यूओयू इसकी पढ़ाई कराने वाला उत्तराखंड का पहला विवि होगा। यहां कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा में कार्यरत सहायक प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र पांडे का कहना है कि साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। इसलिए अपराधियों तक पहुंचने के लिए प्रोफेशनल लोगों की जरूरत है।

'स्वयं' पोर्टल के साथ करार भी जल्द

डिजिटल फॉरेंसिक का ऑनलाइन पाठ्यक्रम बनाकर यूओयू प्रशासन शिक्षा मंत्रालय के 'स्वयं' पोर्टल से करार करने की तैयारी कर रहा है। यह कोर्स पूरा होने के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से परीक्षा भी होगी। इसके साथ ही विवि की वेबसाइट से कोर्स संचालित किया जाएगा।

विषय क्या

ऑनलाइन कोर्स में 40 मॉड्यूल होंगे

सहायक प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र पांडे ने 'हिन्दुस्तान' को बताया है कि डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स में 40 से ज्यादा मॉड्यूल होंगे। विंडोज फॉरेंसिक, लाइनेक्स फॉरेंसिक, मोबाइल फॉरेंसिक, फर्स्ट रिस्पॉन्डर टू विकेट, टाइप्स ऑफ एविडेंस, हार्डडिस्क टैक्नोलॉजी और इंवेस्टीगेट वेब अटेक्स जैसे विषय पढ़ाए जाएंगे। रोजगार की संभावनाओं को देखते हुए यूओयू यह कोर्स शुरू करने जा रहा है।

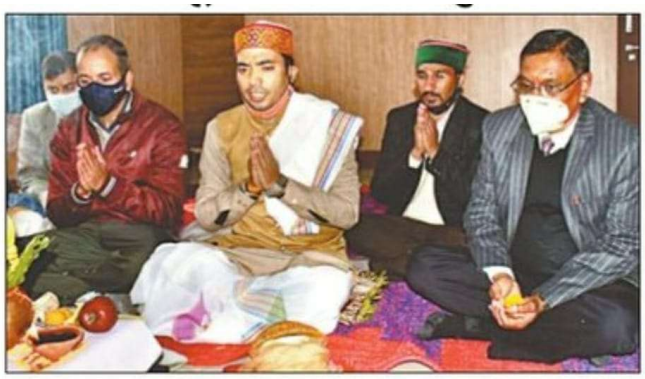

भवन के लोकार्पण के दौरान कुलपति प्रोफेसर ओपीएस नेगी व अन्य।

नवनिर्मित प्रशासनिक भवन का लोकार्पण

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के नवनिर्मित कुलपति सचिवालय और कुलसचिव कार्यालय का लोकार्पण कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने किया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जल्द ही विश्वविद्यालय का अतिथि गृह, कर्मचारी आवास और कुलपति आवास भी बनकर तैयार हो जाएंगे, जिनका निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इस मौके पर वरिष्ठ प्रोफेसर एचपी शुक्ल, प्रोफेसर गिरिजा पांडेय, उप कुलसचिव विमल कुमार मिश्र, भरत नैनवाल आदि मौजूद रहे। (ब्यूरो)

नवनिर्मित कुलपति, कुलसचिव कार्यालय का लोकर्पण

भास्कर समाचार सेवा

नैनीताल। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के नवनिर्मित कुलपति सचिवालय और कुलसचिव कार्यालय का लोकर्पण गुरुवार को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के नवनिर्मित कुलपति सचिवालय और कुलसचिव कार्यालय का लोकर्पण कार्यक्रम कोविड 19 के चलते संक्षिप्त रूप में सम्पन्न किया गया। लोकार्पण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओपीएस नेगी द्वारा किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो० एच पी शुक्ल, प्रोफ़ेसर गिरिजा पांडेय, उप कुलसचिव विमल कुमार मिश्र के अलावा सभी विभागाध्यक्ष. अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

नवीन भवन में विभिन्न विद्याशाखाओं और अनुभागों की बैठक हेतु साउंड-प्रूफ मिनी हॉल, अतिथियों हेतु प्रतीक्षालय, और कुलपति कार्यालय और कुलसचिव कार्यालय मौजूद हैं। कुलपति ने कहा कि जल्द ही विश्वविद्यालय का अतिथि गृह, कर्मचारी आवास तथा कुलपति आवास भी बनकर तैयार होंगे, जिन पर निर्माण कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। ज्ञात हो कि लोकार्पण वाला प्रशाशनिक भवन का निर्माण पिछले 5 वर्षों से अधूरा पड़ा था, जिसे कुलपति प्रो० ओ० पी० एस० नेगी द्वारा कुलपति पद पर कारभार ग्रहण करते ही पूरा करने के लिए प्रयास शुरू कर दिए गए थे, और पिछले वर्ष इसका कार्य शुरू कर दिया गया था।